भारत सरकार
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय
(खेल विभाग)
राज्य सभा
तारांकित प्रश्न संख्या 278
उत्तर देने की तारीख 13 अगस्त, 2026
22 श्रावण, 1948 (शक)

भारत में फुटबॉल को बढ़ावा दिया जाना

***278 श्री राघव चड्ढा:**

क्या युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत तीन वर्षों के दौरान फुटबॉल के प्रचार और विकास के लिए सरकार द्वारा प्रदान की गई वित्तीय सहायता का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) सरकार से सहायता प्राप्त फुटबॉल अकादमियों और प्रशिक्षण केन्द्रों का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) गत तीन वर्षों के दौरान सरकार द्वारा आयोजित या सरकार से सहायता प्राप्त फुटबॉल प्रतियोगिताओं (टूर्नामेंटों) का ब्यौरा क्या है; और

(घ) सरकार द्वारा देश में युवाओं के बीच फुटबॉल को बढ़ावा देने हेतु क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री
(डॉ. मनसुख मांडविया)

(क) से (घ) : एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

भारत में फुटबॉल को बढ़ावा दिया जाना के संबंध में श्री राघव चड्ढा, माननीय राज्य सभा सदस्य द्वारा दिनांक 13.08.2026 के लिए पूछे गए राज्य सभा तारांकित प्रश्न सं. *278 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में संदर्भित विवरण।

(क) से (घ) : 'खेल' राज्य का विषय होने के कारण, देश में खेलों के संवर्धन और उनके विकास की जिम्मेदारी मुख्य रूप से संबंधित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों की है। किसी विशिष्ट खेल विधा के संवर्धन और विकास की जिम्मेदारी संबंधित राष्ट्रीय खेल परिसंघ (एनएसएफ) की है, जो फुटबॉल के मामले में अखिल भारतीय फुटबॉल परिसंघ (एआईएफएफ) है। केंद्र सरकार देश में फुटबॉल के संवर्धन/विकास के लिए राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों और एआईएफएफ के प्रयासों में अपनी निम्नलिखित विभिन्न स्कीमों के माध्यम से सहायता प्रदान करती है:

(i) राष्ट्रीय खेल परिसंघों को सहायता स्कीम;

(ii) खेलो इंडिया स्कीम;

(iii) भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) की खेल संवर्धन स्कीमें;

(iv) राष्ट्रीय खेल विकास निधि (एनएसडीएफ)।

राष्ट्रीय खेल परिसंघों को सहायता (एएनएसएफ) स्कीम के अंतर्गत धनराशि/वित्तीय सहायता का आवंटन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय खेल परिसंघ-वार किया जाता है, न कि राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार। पिछले तीन वर्ष के दौरान अखिल भारतीय फुटबॉल परिसंघ (एआईएफएफ) को प्रदान की गई वित्तीय सहायता का विवरण निम्नलिखित तालिका में दिया गया है:

वित्तीय वर्ष	**आवंटन (करोड़ रुपये)**	**व्यय (करोड़ रुपये)**
2023-2024	6.95	6.65
2024-2025	8.78	7.68
2025-2026	8.00	3.91

इसके अतिरिक्त, सरकार ने विशेष रूप से जमीनी स्तर पर महिला एथलीटों की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए खेलो इंडिया स्कीम के अंतर्गत महिलाओं के लिए खेल (एसएफडब्ल्यू) पहल के माध्यम से फुटबॉल खेल विधा का समर्थन और संवर्धन किया है। पिछले तीन वित्तीय वर्ष के दौरान इस पहल के अंतर्गत लगभग ₹5.34 करोड़ की कुल वित्तीय सहायता स्वीकृत की गई है। इसके अलावा, विशेष रूप से सीमावर्ती, संवेदनशील और संघर्ष-प्रभावित क्षेत्रों में खेलो इंडिया स्कीम

के शांति और विकास के लिए खेल (एसपीडी) घटक के अंतर्गत स्पंदन (एसपीएएनडीएएन) फुटबॉल टूर्नामेंटों के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान ₹20 लाख से अधिक की राशि स्वीकृत की गई थी।

इसके अलावा, खेलो इंडिया इवेंट्स गेम्स के अंतर्गत खेलो इंडिया यूथ गेम्स, खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स और खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में फुटबॉल स्पर्धाओं के तकनीकी संचालन के लिए अखिल भारतीय फुटबॉल परिसंघ (एआईएफएफ) को पिछले तीन वर्ष के दौरान लगभग ₹1.80 करोड़ की कुल राशि जारी की गई है।

साथ ही, खेलो इंडिया स्कीम के अंतर्गत फुटबॉल खेल विधा के कुल 117 खेलो इंडिया एथलीटों की पहचान की गई है तथा उन्हें ₹6.28 लाख प्रति वर्ष का वित्तीय सहायता पैकेज प्रदान किया गया है (जिसमें ₹10,000 प्रति माह का प्रत्यक्ष आउट-ऑफ-पॉकेट भत्ता शामिल है)।

इसके अलावा, भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) की खेल संवर्धन स्कीमों के अंतर्गत फुटबॉल एक मान्यता प्राप्त खेल विधा है, जिसमें स्कीम मानदंडों के अनुसार एथलीटों का चयन किया जाता है और उन्हें स्वीकृत सहायता प्रदान की जाती है, जिसमे भोजन व आवास, योग्य कोच द्वारा कोचिंग, खेल विज्ञान एवं चिकित्सा सहायता, खेल उपकरण, प्रशिक्षण अवसंरचना, खेल मैदान संबंधी सुविधाएँ, शिक्षा, प्रतियोगिता एक्सपोजर तथा अन्य संबद्ध सुविधाएँ शामिल हैं।

खेलो इंडिया स्कीम (केआईएस) के अंतर्गत राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में फुटबॉल सहित मौजूदा खेल सुविधाओं की महत्वपूर्ण कमियों को दूर करके खेल अवसंरचना के सृजन और उन्नयन के लिए सहायता प्रदान की जाती है। तदनुसार, देश में फुटबॉल के संवर्धन और विकास के लिए कुल ₹21.30 करोड़ की लागत पर 4 फुटबॉल मैदान स्वीकृत किए गए हैं।

देशभर में 198 खेलो इंडिया केंद्रों (केआईसी) और 25 खेलो इंडिया मान्यता प्राप्त अकादमियों (केआईएए) के माध्यम से भी फुटबॉल के लिए सहायता प्रदान की जा रही है। देशभर में स्कीम के अंतर्गत फुटबॉल सहित स्वीकृत खेल अवसंरचनाओं का विवरण मंत्रालय के डैशबोर्ड https://mdsd.kheloindia.gov.in पर पब्लिक डोमेन में उपलब्ध है।

पिछले तीन वर्ष के दौरान महिलाओं के लिए खेल (एसएफडब्ल्यू) पहल के अंतर्गत कुल 303 अस्मिता फुटबॉल लीग तथा शांति और विकास के लिए खेल (एसपीडी) पहल के अंतर्गत 16 स्पंदन (एसपीएएनडीएएन) फुटबॉल टूर्नामेंट सफलतापूर्वक आयोजित किए गए हैं।

इसके अलावा, सरकार ने खेलो इंडिया गेम्स स्पर्धाओं के अंतर्गत खेलो इंडिया यूथ गेम्स के दो संस्करणों, खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के तीन संस्करणों और खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के एक संस्करण को सहायता प्रदान की है, जिनमें फुटबॉल को खेल विधा के रूप में शामिल किया गया है, ताकि देश में फुटबॉल को बढ़ावा दिया जा सके और उसका विकास किया जा सके।

इसके अतिरिक्त, एआईएफएफ, जो देश में फुटबॉल के विकास और संवर्धन के लिए मुख्य रूप से उत्तरदायी है, को राष्ट्रीय खेल परिसंघों को सहायता (एएनएसएफ) स्कीम के अंतर्गत राष्ट्रीय चैंपियनशिप के आयोजन, अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं की मेजबानी, एथलीटों के प्रशिक्षण और प्रतिस्पर्धात्मक एक्सपोजर, विदेशी कोच एवं सहायक कार्मिकों के नियोजन आदि के लिए सहायता प्रदान की जाती है। यह स्कीम राष्ट्रीय खेल परिसंघों को सहायता प्रदान करके जमीनी स्तर पर सुदृढ़ विकास, पेशेवर प्रशिक्षण, एथलीटों के लिए वैज्ञानिक सहायता तथा अधिक प्रतिस्पर्धात्मक एक्सपोजर सुनिश्चित करती है। यह प्रावधान किया गया है कि उनके वार्षिक बजट का कम से कम 20 प्रतिशत संबद्ध इकाइयों के माध्यम से जमीनी स्तर पर विकास के लिए निर्धारित किया जाए। इसके अलावा, खेलो इंडिया स्कीम के अंतर्गत जमीनी स्तर पर खेल प्रतिभाओं की पहचान करने के लिए राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं की एक श्रृंखला आयोजित की जाती है। इन प्रतियोगिताओं में खेलो इंडिया यूथ गेम्स, खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स, खेलो इंडिया पैरा गेम्स और खेलो इंडिया विंटर गेम्स शामिल हैं।

एआईएफएफ ने सूचित किया है कि शिक्षा मंत्रालय के सहयोग से एआईएफएफ द्वारा देशभर में नवोदय विद्यालयों के माध्यम से फुटबॉल के संवर्धन और विकास के लिए फीफा फुटबॉल फॉर स्कूल्स पहल के तहत 1.53 लाख स्कूलों में 9.26 लाख फुटबॉल वितरित किए गए हैं।

*****